उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

2020-2021

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : वैदिक वाङमय,
Course Title :Vaidik Vangmay

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-101
Course Code: MAST-101

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्रवोचं यानि चकार प्रथमानि वज्री।
अहन्नहिमन्वपस्ततर्द प्र वक्षणा अभिनत्पर्वतानाम्।।

ख) अतिष्ठन्तीनामनिवेश्नानां
काष्ठानां मध्ये निहितं शरीरम्।
वृत्रस्यं निण्यं वि चरन्त्यार्यो
दीर्घं तम आशयदिन्द्रशत्रुः।।

अथवा

क) आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो
निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च।
हिरण्ययेन सविता रथेना
देवो याति भुवनानि पश्यन।।

ख) अभीवतं कशनैर्विश्वरूपं हिरण्यशम्यं यजतो बृहन्तम्।
आस्थाद्रथं सविता चित्रभानुः कृष्णा रजांसि तविषीं दधानः।।

प्रश्न–2 (i) ऋग्वेद का सामान्य परिचय देते हुए ऋग्वेद के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

(ii) वेदों का सामन्य परिचय देते हुए वेदों के विभागों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 (i) 'राष्ट्राभिवर्धन सूक्त' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 6

अथवा

(ii) 'सवितृ सूक्त' का सारांश लिखिए।

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

Section – B
खण्ड ब

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए – 2

(i) जघान (ii) विवृश्चत् (iii) भुवत् (iv) अरोधम् (v) अधीतम्

प्रश्न–5 केनोपनिषद् में मुख्यतः किस विषय का प्रतिप्रादन किया गया है?उदाहरण सहित बताइए।

प्रश्न–6 निम्नलिखित मंत्र की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 2
यत्प्राणेन प्राणितो येन प्राणी प्रीणयते।
तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते।।

प्रश्न–7 वेदत्रयी का सामान्य परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–8 निरुक्त में कुल कितने काण्ड है तथा उनका विभाजन किस प्रकार किया गया है? 2

प्रश्न–9 'नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति' – की व्याख्या कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

2020-2021

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश एवं भाषा विज्ञान
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-102
Course Code : MAST-102

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

(i) तदा किर कपिलवत्थुनगरे आसोकहीनक्खत्तं घुट्ठं अहोसि। महाजनो नक्खत्तं कीकेति। महामाया देवी पुरे पुण्णमाय सत्तमदिवसतो पट्ठाय विगतसुरापानं मालागन्धविधूतिसम्पन्नं नक्खत्तकीकं अनुभवमाना सत्तमदिवसे पातो व उट्ठाय गन्धोदकेन नहायित्वा चत्तारि सतसहस्सानि विस्सेज्जेत्वा महादानं दत्वा सब्बालङ्कारविभूसितो वरभोजनं भुञ्जित्वा उपोसथङ्गानि अधिट्ठाय अलङ्कतपटियत्तं सिरिगब्भं पविसित्वासिरिसयने निपन्ना निद्दं ओक्कममाना इदं सुपिन अदस्स।

(ii) अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि – ''सिया खो पनानन्द, तुम्हाकं एवं अस्स 'अतीतसत्थुकं पावचनं। नत्थि नो सत्था ति। न खो पने तं, आनन्द, एवं दट्ठब्बं। यो वो आनन्द, मया धम्मो च विनयो च देसितो पञ्ञत्तो, सो वो ममच्चयेन सत्था। यथा खो पनानन्द, एतरहिभिक्खू अञ्ञमञ्ञं आबुसोवादेन समुदाचरन्ति, न वो ममच्चयेन एवं समुदायरितब्बं।

प्रश्न–2 निम्नांकित पद्यों की संस्कृतच्छाया लिखिए – 6

(i) यथा पिभमरो पुप्फं वण्णगन्ध अहेठयं।
फलेति रसमादाय, एवं ग्रामे मुनी चरे।।

(ii) एकं धम्मं उतीतस्स मुसावादिस्स जन्तुनो।
वितिण्णपरलोकस्स नत्थि पापं अकारियं।

प्रश्न–3 अपभ्रंश भाषा साहित्य पर समीक्षात्मक निबन्ध लिखिए। 6

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	प्राकृत साहित्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–5	' बावेरुजातकम्' का सारांश लिखिए।	2
प्रश्न–6	ध्वनि परिवर्तन के कारणों की विवेचना कीजिए।	2
प्रश्न–7	अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिये। प्रजापतिहृदयं, दिसाकाकं	2
प्रश्न–8	'रावणवहो' के पठित अंश का सारांश लिखिए।	2
प्रश्न–9	अपभ्रंश साहित्य के खण्ड काव्य का सामान्य परिचय दीजिए।	2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2020-2021
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : व्याकरण तथा अलंकार
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-103
Course Code: MAST-103

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 (i) अलंकार किसे कहते हैं स्पष्ट कीजिए। 6

प्रश्न–2 निम्नलिखित अलंकारों के सोदाहरण लक्षण स्पष्ट कीजिए। 6

(i) 1) उपमा
2) श्लेष
3) विशेषोक्ति
4) निदर्शना

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किन्हीं दो शब्द रूपों को सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्ध कीजिए – 6

(i) रामान्, हरौ, ज्ञानम्, रमा :

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 बहुब्रीहि समास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं दो धातु रूपों को सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्ध कीजिए – 2

(i) गच्छ, अगच्छन्

अथवा

(ii) पठन्ति, पठेत

प्रश्न–6 अधोलिखित में से किसी एक अलंकार युग्म में भेद स्पष्ट कीजिए – 2

(i) 1) निदर्शना – दृष्टान्त

अथवा

2) विभावना – विशेषोक्ति

प्रश्न–7 अधोलिखित के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2

(i) एधितव्यम्, उष्णभोजी ,शुष्कः, हितम्

प्रश्न–8 अधोलिखित में से किन्हीं चार के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2

(i) राष्ट्रियः, सभ्यः, आदित्यः , वैनतेयः

प्रश्न–9 (i) द्वन्द्व समास का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2

द्वितीय सेमेस्टर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2020-2021
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : काव्यशास्त्र
Course Title : Kayya Shastra

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-104
Course Code :MAST-104

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य मम्मट के काव्य–प्रयोजन की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 6

प्रश्न–2 निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए।

'नियतिकृतनियमरहितां ह्लादैकमयीमनन्यपरतन्त्राम्। 6
नवरसरुचिरां निर्मितिमादधती भारती कवेर्जयति ।।

प्रश्न–3 'विभावानुभोवव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' की व्याख्या कीजिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 **'साक्षात्संकेतितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचकः'** – को समझाइए।
प्रश्न–5 **मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्। अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया**– की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–6 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए– 2
तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्
प्रश्न–7 निम्नलिखित की संक्षिप्त विवेचना कीजिए– 2
भट्टलोल्लट का उत्पत्तिवाद
प्रश्न–8 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए– 2
विवक्षितं चान्यपरं वाच्यं यत्रापरस्तु सः।
प्रश्न–9 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए– 2
विवक्षितं चान्यपरं वाच्यं यत्रापरस्तु सः ।

द्वितीय सेमेस्टर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2020-2021
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : नाट्यशास्त्र
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-105
Course Code :MAST-105

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंक: 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 नाट्यशास्त्र के प्रणेता आचार्य भरत का सामान्य परिचय दीजिए। 6
अथवा
अर्थ प्रकृति का लक्षण करते हुए इसके भेदों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न–2 नाट्यशास्त्र के आधार पर वृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 6
अथवा
नाटक के प्रमुख नाट्यशास्त्रीय तत्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–3 नाट्यशास्त्र को पंचम वेद क्यों कहते हैं, व्याख्या कीजिए। 6
अथवा
दशरूपक के आधार पर नायक के भेदों तथा लक्षण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 संधियों पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–5 अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्' की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–6 निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए। 2
रंगमंच, नान्दी
प्रश्न–7 दशरूपक के आधार पर नाटक के भेदों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–8 नाटिका का लक्षण बताइए। 2
प्रश्न–9 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए– 2
कथावस्तु, विदुषक

द्वितीय सेमेस्टर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2020-2021

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी

Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : प्राच्य भारतीय दर्शन — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-106

Course Title : — **Course Code :MAST-106**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित कारिकाओं में से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए – 6

(i) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।
दुष्टे साऽपार्था चेनैकान्तात्यन्ततोऽभावात्।।

अथवा

(ii) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।
अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्।

अथवा

(ii) लिङ्.गपरामर्शोऽनुमानम्।

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) विषयो जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्,
तत्रैव वेदान्तानां तात्पर्यात्।

अथवा

(ii) तत्रानुबन्धो नामाधिकारिविषयसम्बन्ध प्रयोजनानि

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' की व्याख्या कीजिए।	2
प्रश्न–5	तर्कभाषा के अनुसार षोढासन्निकर्षों का निरूपण कीजिए।	2
प्रश्न–6	सांख्य दर्शन के प्रमुख तत्त्वों पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–7	अद्वैत वेदान्त के अनुसार 'मोक्ष' का अर्थ समझाइए।	
प्रश्न–8	वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।	2
प्रश्न–9	निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए– कैवल्य, अकर्तृत्व भाव	2